# Daily Current Affairs
# 26 July 2025

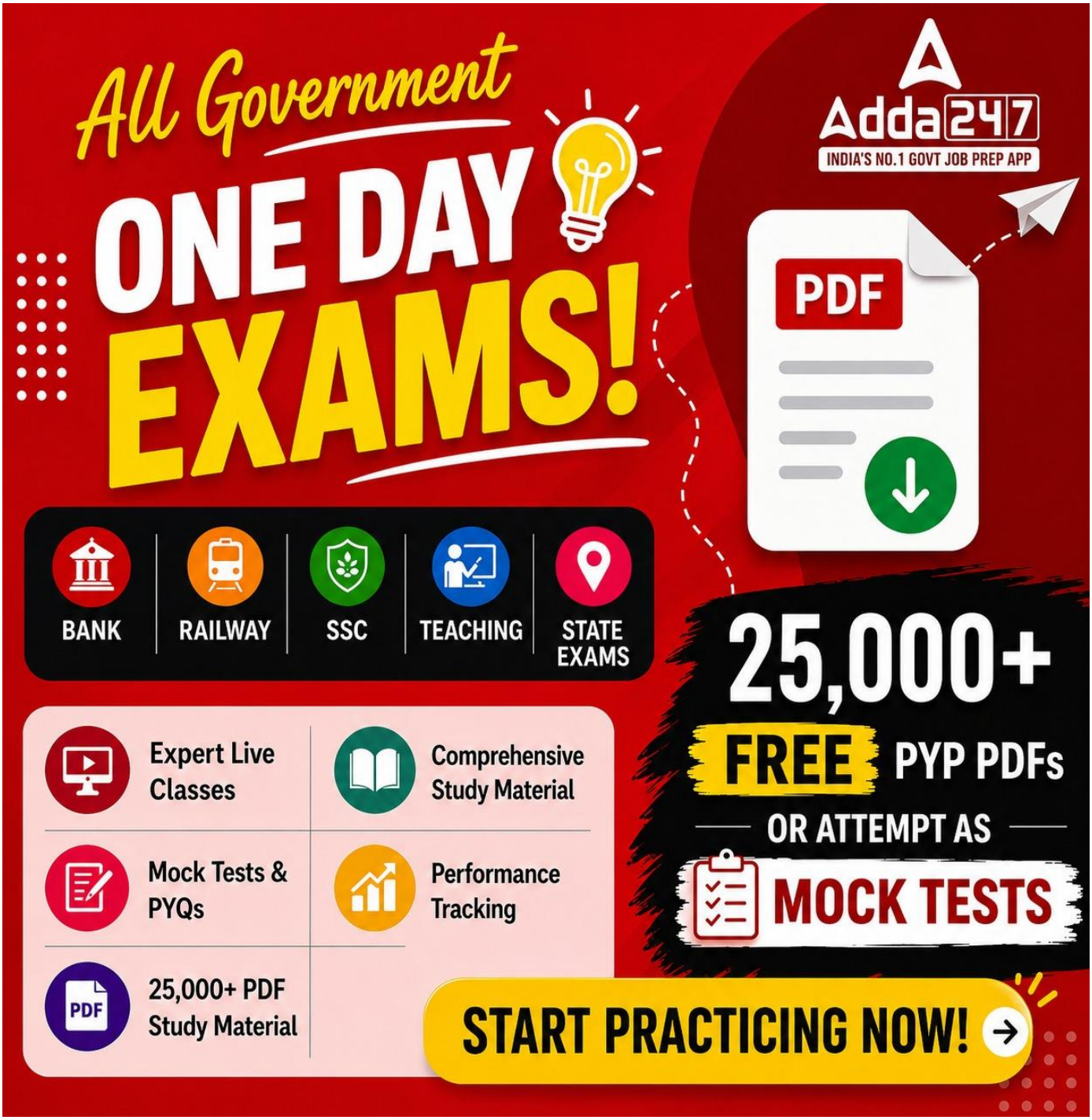

# Daily Current Affairs Quiz 26 July 2026

**Q1.** आधार वर्ष 2022–23 वाली नई ICI श्रृंखला में कितने कोर उद्योगों को शामिल किया गया है?
(a) 8
(b) 10
(c) 7
(d) 9
**Ans.(d)**
**Sol.** सही उत्तर (D) 9 है
व्याख्या:
• आधार वर्ष 2022–23 के साथ कोर उद्योग सूचकांक (ICI) श्रृंखला में कुल 9 बुनियादी ढांचे और बुनियादी माल उद्योग शामिल हैं।
• यह पिछली 2011–12 श्रृंखला से विस्तार को दर्शाता है, जिसमें 8 कोर क्षेत्रों की निगरानी की जाती थी, क्योंकि एक विशिष्ट कोर घटक के रूप में लौह अयस्क को संरचनात्मक रूप से शामिल किया गया है।
• अद्यतन ढांचे में शामिल 9 कोर उद्योग हैं: बिजली, रिफाइनरी उत्पाद, स्टील, कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, सीमेंट, उर्वरक और लौह अयस्क।
• इन उद्योगों को 'कोर' के रूप में नामित किया गया है क्योंकि वे ऐसे बुनियादी इनपुट का उत्पादन करते हैं जो पूरी अर्थव्यवस्था में विनिर्माण, ऊर्जा आपूर्ति, कृषि उत्पादकता और बुनियादी ढांचे के निर्माण को गति देते हैं।
• उनके व्यापक प्रभाव के कारण, इन 9 क्षेत्रों में प्रदर्शन भिन्नताएं राष्ट्रीय आर्थिक विकास के समग्र प्रक्षेपवक्र को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।
• इन 9 क्षेत्रों से मासिक उत्पादन डेटा मासिक IIP आंकड़ों के पूर्ण जारी होने से पहले औद्योगिक गति का उच्च-आवृत्ति पूर्वावलोकन प्रदान करता है।
Information Booster:
• क्षेत्र संरचना: 9 कोर उद्योगों में ऊर्जा (बिजली, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद), बुनियादी ढांचा (स्टील, सीमेंट, लौह अयस्क), और कृषि (उर्वरक) शामिल हैं।
• प्रमुख संकेतक की भूमिका: इन 9 क्षेत्रों में संयुक्त उत्पादन प्रवृत्तियां राजकोषीय और मौद्रिक नीति योजना के लिए औद्योगिक गतिविधि के प्रारंभिक मापक के रूप में कार्य करती हैं।
• भारांक का पुनर्मूल्यांकन: प्रत्येक 9 क्षेत्र को कुल औद्योगिक सकल मूल्य वर्धित (GVA) में इसके सापेक्ष योगदान को दर्शाते हुए एक विशिष्ट भारांक सौंपा गया है।
• उच्च-आवृत्ति ट्रैकिंग: मासिक प्रकाशन आपूर्ति-श्रृंखला की बाधाओं और बुनियादी ढांचे के प्रदर्शन की समय पर ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है।
• अंतर-क्षेत्रीय निर्भरता: थर्मल पावर कोयले पर निर्भर करता है, स्टील लौह अयस्क और ऊर्जा पर निर्भर करता है, और कृषि को उर्वरक आपूर्ति की आवश्यकता होती है, जो उच्च अंतर-क्षेत्रीय जुड़ाव को दर्शाता है।
Additional Knowledge:
• विकल्प A (8): आधिकारिक तौर पर लौह अयस्क को शामिल करने से पहले पुरानी 2011–12 आधार वर्ष श्रृंखला में शामिल कोर क्षेत्रों की संख्या।
• विकल्प B (10): एक गलत आंकड़ा जो DPIIT द्वारा निगरानी किए जाने वाले कोर उद्योगों के वर्तमान आधिकारिक वर्गीकरण से अधिक है।

• विकल्प C (7): ऊर्जा उत्पादन और रिफाइनिंग को अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित करने से पहले पुराने सूचकांक पुनरावृत्तियों से एक पुरानी ऐतिहासिक संख्या।

**Q2.** कोर उद्योग सूचकांक (ICI) किसके द्वारा जारी किया जाता है:
(a) DPIIT के अंतर्गत आर्थिक सलाहकार का कार्यालय
(b) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)
(c) भारतीय रिजर्व बैंक
(d) केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO)
**Ans.(a)**
**Sol.** सही उत्तर (A) DPIIT के अंतर्गत आर्थिक सलाहकार का कार्यालय है
व्याख्या:
• कोर उद्योग सूचकांक (ICI) आर्थिक सलाहकार के कार्यालय (OEA) द्वारा संकलित और जारी किया जाता है, जो वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) के अंतर्गत कार्य करता है।
• ICI को निर्दिष्ट कोर बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में भौतिक उत्पादन प्रदर्शन को मापने के लिए डिज़ाइन किए गए मासिक आर्थिक संकेतक के रूप में प्रकाशित किया जाता है।
• आर्थिक सलाहकार का कार्यालय विभिन्न स्रोत एजेंसियों और संबंधित मंत्रालयों (जैसे पेट्रोलियम मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और संयुक्त संयंत्र समिति) से सीधे प्राथमिक उत्पादन डेटा एकत्र करता है।
• यह सूचकांक मासिक अंतराल पर जारी किया जाता है, आमतौर पर प्रत्येक महीने के अंतिम कार्य दिवस पर, जो पूर्ण IIP जारी होने से पहले औद्योगिक गति का एक प्रमुख दृष्टिकोण प्रदान करता है।
• ICI संकलित करने के अलावा, आर्थिक सलाहकार का कार्यालय थोक मूल्य सूचकांक (WPI) की गणना और प्रकाशन के लिए जिम्मेदार है।
• DPIIT वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के भीतर औद्योगिक विकास, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) और आंतरिक व्यापार से संबंधित नीतियां तैयार करने के लिए प्रमुख नोडल विभाग के रूप में कार्य करता है।
Information Booster:
• OEA के कार्य: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय व्यापक आर्थिक विश्लेषण प्रदान करता है, औद्योगिक विकास प्रवृत्तियों की निगरानी करता है, और आधिकारिक मूल्य और उत्पादन सूचकांक प्रकाशित करता है।
• डेटा समन्वय: OEA प्रत्येक कोर उद्योग घटक के लिए सत्यापित उत्पादन आंकड़े एकत्र करने के लिए स्रोत मंत्रालयों के साथ सहयोग करता है।
• प्रकाशन समयरेखा: पूर्ण IIP जारी होने से लगभग दो सप्ताह पहले ICI डेटा जारी किया जाता है, जो आर्थिक पूर्वानुमानकर्ताओं के लिए प्राथमिक संकेतक के रूप में कार्य करता है।
• DPIIT का जनादेश: पहले इसे DIPP के रूप में जाना जाता था, विभाग के जनादेश का विस्तार घरेलू आंतरिक व्यापार, रसद, ई-कॉमर्स और स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र को कवर करने के लिए किया गया।
• WPI संरेखण: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय थोक मूल्य सूचकांक को भी बनाए रखता है, जिससे मूल्य में उतार-चढ़ाव और भौतिक उत्पादन मेट्रिक्स के बीच विश्लेषणात्मक संरेखण सुनिश्चित होता है।
Additional Knowledge:
• विकल्प B (राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय NSO): MoSPI के अंतर्गत काम करते हुए, NSO व्यापक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) और GDP डेटा संकलित और जारी करता है।

• विकल्प C (भारतीय रिजर्व बैंक): मौद्रिक नीति, बैंकिंग विनियमन और विदेशी मुद्रा भंडार का प्रबंधन करता है, वित्तीय स्थिरता और ऋण संकेतक प्रकाशित करता है।
• विकल्प D (केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय CSO): MoSPI के तहत एकीकृत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) बनाने के लिए 2019 में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) के साथ विलय कर दिया गया।

**Q3.** 2022–23 आधार वर्ष श्रृंखला में कोर उद्योग सूचकांक (ICI) में कौन सा नया कोर उद्योग जोड़ा गया है?
(a) एल्युमिनियम
(b) लौह अयस्क
(c) तांबा
(d) बिजली उपकरण
**Ans.(b)**
**Sol.** सही उत्तर (B) लौह अयस्क है
व्याख्या:
• आधार वर्ष 2022–23 के साथ संशोधित कोर उद्योग सूचकांक (ICI) ढांचे के तहत, लौह अयस्क को औपचारिक रूप से एक नए कोर उद्योग क्षेत्र के रूप में पेश किया गया था।
• लौह अयस्क को शामिल करने से कोर उद्योग समूह का विस्तार होता है, जो प्राथमिक धातु उत्पादन, नागरिक बुनियादी ढांचे और भारी इंजीनियरिंग में इसकी महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम भूमिका को दर्शाता है।
• लौह अयस्क तैयार स्टील के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल के रूप में कार्य करता है, जिससे इसका निष्कर्षण स्तर घरेलू औद्योगिक विकास के लिए प्रत्यक्ष भविष्योन्मुखी संकेतक बन जाता है।
• इस संशोधन से पहले, प्राथमिक खनिज खनन प्रवृत्तियों को केवल लौह अयस्क उत्पादन के लिए स्पष्ट कोर क्षेत्र ट्रैकिंग के बिना, सामान्य खनन शीर्षों के माध्यम से परोक्ष रूप से दर्शाया जाता था।
• लौह अयस्क को जोड़ने से भारत की खनिज-निष्कर्षण आपूर्ति श्रृंखला की अधिक व्यापक तस्वीर मिलती है और कच्चे माल की उपलब्धता और डाउनस्ट्रीम विनिर्माण के बीच सहसंबंध बढ़ता है।
• यह समावेशन राष्ट्रीय कोर इंडेक्स ट्रैकिंग को वैश्विक मानकों के साथ संरेखित करता है जो आवश्यक धातु खनिजों को मूलभूत आर्थिक निर्माण खंड मानते हैं।
Information Booster:
• खनिज भंडार: भारत में ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और कर्नाटक में मुख्य रूप से हेमेटाइट और मैग्नेटाइट के रूप में विशाल, उच्च श्रेणी के लौह अयस्क भंडार हैं।
• वैश्विक स्थिति: भारत लौह अयस्क के शीर्ष वैश्विक उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है, जो घरेलू स्टील मिलों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों दोनों की जरूरतों को पूरा करता है।
• अपस्ट्रीम लिंकेज: लौह अयस्क के उत्पादन पर नज़र रखने से अर्थशास्त्रियों को घरेलू कच्चे इस्पात और तैयार इस्पात निर्माण उद्योगों में भविष्य के उत्पादन की बेहतर भविष्यवाणी करने में मदद मिलती है।
• खनन नियमन: उत्पादन के आंकड़ों की निगरानी डिजिटल खनन निगरानी प्रणाली और भारतीय खान ब्यूरो (IBM) द्वारा संकलित डेटा के माध्यम से की जाती है।
• औद्योगिक मूल्य श्रृंखला: खनिज निष्कर्षण गतिविधियाँ खनन बेल्ट में पूंजी निर्माण, माल ढुलाई राजस्व और रोजगार को सीधे प्रभावित करती हैं।

Additional Knowledge:

• विकल्प A (एल्युमिनियम): एक प्रमुख अलौह धातु जिसे IIP के व्यापक विनिर्माण क्षेत्र के तहत ट्रैक किया जाता है, लेकिन ICI कोर बास्केट के भीतर एक स्वतंत्र उद्योग के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है।

• विकल्प C (तांबा): बिजली के उपकरणों और हरित ऊर्जा बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण, IIP के तहत बुनियादी धातुओं के भीतर ट्रैक किया जाता है, लेकिन विशेष कोर उद्योगों की सूची से बाहर रखा गया है।

• विकल्प D (बिजली उपकरण): प्राथमिक कोर कच्चे माल या बुनियादी ढांचे के इनपुट के बजाय IIP के अंतिम-उपयोग वर्गीकरण में पूंजीगत वस्तुओं के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

**Q4.** नई ICI श्रृंखला (आधार वर्ष 2022–23) में किस कोर उद्योग को सबसे अधिक भारांक सौंपा गया है?

(a) रिफाइनरी उत्पाद

(b) स्टील

(c) बिजली

(d) कोयला

**Ans.(c)**

**Sol.** सही उत्तर (C) बिजली है

व्याख्या:

• आधार वर्ष 2022–23 वाली संशोधित कोर उद्योग सूचकांक (ICI) श्रृंखला में, बिजली उत्पादन को सभी नौ कोर उद्योगों में सबसे अधिक व्यक्तिगत भारांक सौंपा गया है।

• बिजली ने पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों का स्थान ले लिया, जो पूर्व 2011–12 आधार श्रृंखला में शीर्ष स्थान पर था।

• बिजली के भारांक में वृद्धि राष्ट्रीय उत्पादन क्षमता के विस्तार, व्यापक ग्रामीण और औद्योगिक विद्युतीकरण, और राष्ट्रीय ग्रिड में एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की तीव्र वृद्धि को दर्शाती है।

• बिजली उत्पादन सभी विनिर्माण संयंत्रों, वाणिज्यिक संचालन, कृषि गतिविधियों और घरेलू घरों में एक मूलभूत आर्थिक आवश्यकता के रूप में कार्य करता है।

• संशोधित भारांक योजना औद्योगिक स्वचालन, डिजिटल बुनियादी ढांचे और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को चलाने में विद्युतीकरण की बढ़ती संरचनात्मक भूमिका को दर्शाती है।

• केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) द्वारा संकलित मासिक बिजली उत्पादन के आंकड़े थर्मल, हाइड्रो, परमाणु और ग्रिड से जुड़े नवीकरणीय बिजली उत्पादन को ट्रैक करते हैं।

Information Booster:

• भारांक पदानुक्रम: 2022–23 आधार श्रृंखला के तहत, बिजली का भारांक वितरण सबसे अधिक है, उसके बाद रिफाइनरी उत्पाद, स्टील, कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, सीमेंट, लौह अयस्क और उर्वरक आते हैं।

• नवीकरणीय एकीकरण: सूचकांक में पारंपरिक कोयला और गैस आधारित ताप विद्युत संयंत्रों के साथ-साथ सौर, पवन और जल स्रोतों से बिजली उत्पादन शामिल है।

• आर्थिक गुणक: बिजली की खपत आर्थिक विस्तार और औद्योगिक क्षमता उपयोग के स्तर के साथ एक मजबूत सीधा सहसंबंध प्रदर्शित करती है।

• परिचालन निगरानी: POSOCO/ग्रिड-कंट्रोलर ऑफ इंडिया जैसे ग्रिड ऑपरेटर वास्तविक समय की मांग प्रवृत्तियों की निगरानी करते हैं जो मासिक CEA रिपोर्टिंग में फीड होती हैं।

• बुनियादी ढांचा आधार रेखा: बिजली की उपलब्धता राष्ट्रीय विनिर्माण पहलों के लिए एक प्रमुख शर्त बनी हुई है, जिसमें उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (PLI) योजनाएं शामिल हैं।

Additional Knowledge:

• विकल्प A (रिफाइनरी उत्पाद): 2011–12 श्रृंखला में पहले सबसे बड़ा भारांक (28.04%) था, जो अब अद्यतन कोर उद्योग सूचकांक का दूसरा सबसे बड़ा घटक है।

• विकल्प B (स्टील): शहरी बुनियादी ढांचे, रेलवे विस्तार और निर्माण मांग द्वारा संचालित महत्वपूर्ण भारांक वाला एक प्रमुख कोर उद्योग, जो बिजली और रिफाइनिंग के बाद आता है।

• विकल्प D (कोयला): घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों के लिए प्राथमिक ईंधन स्रोत के रूप में कार्य करता है, जो एक अलग व्यक्तिगत भारांक के साथ बिजली उत्पादन के लिए अपस्ट्रीम फीडर के रूप में कार्य करता है।

**Q5.** कोर उद्योग सूचकांक (ICI) की नई श्रृंखला ने निम्नलिखित में से किसे अपना नया आधार वर्ष अपनाया है?

(a) 2017–18

(b) 2021–22

(c) 2022–23

(d) 2023–24

**Ans.(c)**

**Sol.** सही उत्तर (C) 2022–23 है

व्याख्या:

• भारत में आधिकारिक सांख्यिकीय ढांचे ने कोर उद्योग सूचकांक (ICI) के लिए आधार वर्ष को संशोधित कर 2022–23 कर दिया है, इसे 2011–12 के पूर्व आधार वर्ष से अद्यतन किया गया है।

• आधार वर्ष संशोधन अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलावों, तकनीकी परिवर्तनों और विकसित होते उपभोग पैटर्न को सटीक रूप से दर्शाने के लिए आर्थिक सांख्यिकीय एजेंसियों द्वारा किए जाने वाले अनिवार्य आवधिक अभ्यास हैं।

• 2022–23 को अद्यतन संदर्भ बेंचमार्क के रूप में अपनाने से एक स्थिर महामारी के बाद की आधार रेखा मिलती है जो वैश्विक स्वास्थ्य व्यवधानों के कारण होने वाली कृत्रिम आर्थिक विकृतियों को समाप्त करती है।

• अद्यतन आधिकारिक सर्वेक्षण डेटा से नए सकल मूल्य वर्धित (GVA) योगदान के आधार पर प्रतिनिधि वस्तु बास्केट को पुनर्गठित करता है और व्यक्तिगत क्षेत्र के भारांक को पुनर्वितरित करता है।

• कोर उद्योग सूचकांक के आधार वर्ष को संरेखित करने से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) और थोक मूल्य सूचकांक (WPI) जैसे समानांतर व्यापक आर्थिक संकेतकों के साथ घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित होता है।

• संशोधित आधार श्रृंखला पिछले दशक में प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में हासिल की गई आधुनिक औद्योगिक क्षमता वृद्धि, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और संरचनात्मक तकनीकी उन्नयन को कैप्चर करती है।

Information Booster:

• चयन मानदंड: एक वैध आधार वर्ष को गंभीर प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक झटके, या अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से मुक्त एक सामान्य आर्थिक अवधि का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

• डेटा स्रोत: अद्यतन भारांक संरचना और वस्तु कवरेज वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) और राष्ट्रीय खाता डेटा के व्यापक परिणामों का उपयोग करके प्राप्त किए जाते हैं।

• संरचनात्मक संरेखण: राष्ट्रीय सांख्यिकीय सूचकांकों में आधार वर्षों को सिंक्रनाइज़ करने से व्यापक आर्थिक प्रदर्शन और नीतिगत प्रभावों का विश्लेषण करते समय निरंतरता सुनिश्चित होती है।

• भविष्यसूचक मूल्य: आधार वर्ष का आधुनिकीकरण व्यापक औद्योगिक विकास और आर्थिक विस्तार के लिए एक प्रमुख संकेतक के रूप में ICI की सांख्यिकीय सटीकता को बढ़ाता है।

• आवृत्ति और समयबद्धता: आधार वर्ष के अद्यतन के बावजूद, रिलीज की आवृत्ति मासिक रहती है, जिससे नीति निर्माताओं और निवेशकों के लिए समय पर सूचना प्रसार सुनिश्चित होता है।

Additional Knowledge:

• विकल्प A (2017–18): GST संरेखण के लिए अंतरिम तकनीकी अध्ययनों में विचार किया गया था, लेकिन महामारी के बाद के अधिक हालिया संरचनात्मक आधार रेखाओं द्वारा इसका स्थान ले लिया गया।

• विकल्प B (2021–22): महामारी से संबंधित गंभीर उत्पादन अस्थिरता और निम्न-आधार सांख्यिकीय विकृतियों के कारण आधिकारिक आर्थिक आधार वर्ष के रूप में अनुपयुक्त।

• विकल्प D (2023–24): एक हालिया वित्तीय अवधि जिसका मूल्यांकन प्रारंभिक समीक्षा चरणों के दौरान किया गया था, लेकिन इस संशोधित श्रृंखला के लिए आधिकारिक आधार रेखा के रूप में नहीं चुना गया था।